हरिभूमि
# सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार, 13 अक्टूबर 2025

12 लापता सतवीर का शव बरामद, परिजनों ने लगाया आरोप

12 नशा मुक्ति टीम ने गांव बाड़ा, चलाया गया जागरुकता अभियान

## खबर संक्षेप

### व्यक्ति की मौत के मामले में बस चालक गिरफ्तार

**फतेहाबाद।** फतेहाबाद में स्कूल बस की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत होने के मामले में कार्रवाई करते हुए शहर फतेहाबाद पुलिस ने आरोपी बस चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए चालक की पहचान सुरेश कुमार पुत्र रोहताश सिंह निवासी हुक्मावाली, तहसील रतिया के रूप में हुई है। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्रा ने बताया कि यह मामला 8 अक्टूबर का है।

### चलते ट्रक पर गिरा बिजली की तार, हादसा टला

**सिरसा।** रानियां के बालासर रोड पर रविवार एक बड़ा हादसा हुआ जब बिजली का एक तार टूटकर एक चलते ट्रक पर गिर गया। गनीमत रही कि उस समय सडक़ पर ट्रैफिक कम था, जिससे किसी बड़े जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। स्थानीय लोगों के अनुसार, ट्रक चालक जैसे ही दूसरे वाहनों को साइड देने की कोशिश कर रहा था, नीचे लटकी हुई बिजली की तार पोल से टूटकर ट्रक के ऊपर आ गिरी। इस घटना ने बिजली निगम की कथित लापरवाही को उजागर किया है।

### हेरोइन सहित दो तस्करों को किया गिरफ्तार

**सिरसा।** पुलिस ने गश्त के दौरान रानियां रोड क्षेत्र से एक युवक को 11.82 ग्राम हेरोइन सहित काबू किया है। शहर थाना प्रभारी संदीप कुमाार ने बताया कि एएसआई जगबीर सिंह पुलिस टीम के साथ गश्त क दौरान रानियां रोड सरस्वती कॉलोनी, खाजा खेड़ा रोड पर मौजूद थे। इसी दौरान एक युवक सामने ये आता दिखाई दिया। पुलिस पार्टी को देखकर उक्त युवक भागने लगा। पुलिस पार्टी ने शक के आधार पर उक्त युवक को काबू कर उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जे से 11.82 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

### शिविर में 22 ने किया स्वेच्छा से रक्तदान

**टोहाना।** श्रीवर्धमान एसएस जैन सभा परिसर में रक्तदान कैंप का आयोजन किया गया। यह रक्तदान शिविर महासाध्वी श्रीलीलावती, साध्वी शालिनी, साध्वी स्मृति एवं नव दीक्षिता शीतल जी के सानिध्य में शुरू हुआ। जिसमें 22 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। सुनील जैन ने बताया कि रक्तदान करने से शरीर में कोई कमजोरी नहीं आती, इससे शरीर में नई ऊर्जा का संचार होता है। हर स्वस्थ व्यक्ति को तीन माह में एक बार रक्तदान जरूर करना चाहिए।

### लापरवाही से स्कूटी चलाने पर महिला काबू

**फतेहाबाद।** लापरवाही से स्कूटी चलाकर एक महिला को टक्कर मारने के मामले में भूना पुलिस ने एक महिला आरोपी को काबू किया है। आरोपी की पहचान रेणु उर्फ बीना पत्नी प्रदीप निवासी नाढोडी के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी महिला से एक इलेक्ट्रिक स्कूटी बरामद की है। थाना भूना प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि जब शिकायतकर्ता बिमला देवी पैदल अपने घर लौट रही थीं। जब वह भूना-नाढोडी रोड पर किराना दुकान के पास पहुंची तो आरोपी महिला ने स्कूटी से उसे टक्कर मार दी।

### लाखों की धोखाधड़ी मामले में युवक गिरफ्तार

**फतेहाबाद।** आर्थिक अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत इकोनॉमिक सेल फतेहाबाद पुलिस ने रविवार को एक बड़े धोखाधड़ी मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान विजेंद्र पुत्र सरूपा निवासी निंबड़ी, जिला पानीपत के रूप में हुई है। रविवार को इकोनॉमिक सेल फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक संदीप सिंह ने बताया कि यह मामला हिसार निवासी रोहित गोयल की शिकायत पर दर्ज किया गया था।

## फतेहाबाद सेक्टर 9 : करोड़ों की जमीन पर कचरे के डंपिंग स्टेशन, रेट अधिक

*वीरान क्षेत्र में बनी सड़कों से लेकर सीवर व पेयजल की पाइप लाइन अब होने लगी खराब*

# 17 साल बाद भी सेक्टर 9-11 बेहाल, विकसित होने का इंतजार

सुरेन्द्र असीजा ⏭फतेहाबाद

नेशनल हाईवे -9 के ऊपर शहर की प्राइम लोकेशन पर स्थित सेक्टर 9-11 मे 17 साल बाद भी पूरी तरह से आबाद नहीं हो पाई है। एचएसवीपी द्वारा 2008 में लोगों को दिखाए गए सपने अभी तक पूरे नहीं हुए हैं। इस सेक्टर मे अब करोड़ों की जमीन पर कचरे का डंपिंग स्टेशन और बदहाली का प्रतीक बन गई है। हिसार रोड, मिनी बाईपास, डीसी ऑफिस के सामने चौक से पहले एचएसवीपी ने मार्केट की योजना बनाई थी। यहां 209 साइटें तैयार की गई थीं, लेकिन हैरत की बात है कि साढ़े 17 सालों में केवल एक भी दुकान नही बिक पाई हैं, सभी साइटें आज भी विकसित होने का इंतजार कर रही हैं। रेट ज्यादा होने से भी अभी तक यहां साइट नहीं बिक रही। ग्राउंड रिपोर्ट के अनुसार, सेक्टर 9-11 की मेन रोड पर गांव मताना क्षेत्र में कटे एचएसवीपी सेक्टर 10, 11 और 11ए पिछले 17 साल से आबाद होने के इंतजार में हैं। आबाद न होने के चलते इस वीरान क्षेत्र में बनी सडक़ों से लेकर सीवर व पेयजल की पाइप लाइन अब खराब होने लगी हैं। बता दें कि करीब 17 साल पहले यहां पर सेक्टरों को बसाने के लिए सडक़ों, सीवर, पेयजल के अलावा बिजली लाइनों का जाल तो बिछा दिया गया, मगर सेक्टरों के आबाद नहीं होने से अब यहां पर बदहाल स्थिति है। सडक़ें टूट चुकी हैं और सीवर के मेनहोल धंस चुके हैं। इससे हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण को करोड़ों रुपये का नुकसान हो गया है। हैरानी की बात यह है कि करोड़ों का नुकसान झेलने के बाद भी प्राधिकरण प्रशासन इन सेक्टरों को फिर से आबाद करने की कोई ठोस प्लानिंग ही नहीं कर रहा है।

फतेहाबाद। बदहाल सैक्टर 10 व 11। फोटो: हरिभूमि

### 2008 में जारी हुई थी अधिसूचना

फतेहाबाद के गांव मताना, शहरी क्षेत्र व भीमा बस्ती के किसानों की करीब 252 एकड़ जमीन को सेक्टर 10, 11 व 11ए बसाने के लिए अधिग्रहण करने की प्रक्रिया आरंभ की गई थी। इसके लिए 2008 में सेक्शन-4 लगाकर किसानों की जमीन का अधिग्रहण कर लिया गया। किसानों को प्रारंभ में प्रति एकड़ करीब 96 लाख रुपये की राशि एचएसवीपी की ओर से दी गई। जमीन अपने अधिकार में लेने के बाद एचएसवीपी ने करोड़ों रुपये खर्च करके इस जमीन पर सडक़ें, सीवरेज, बिजली सप्लाई व वाटर सप्लाई का काम आरंभ किया था।

### सेक्टर 3 में 50 हजार गज पहुंचे रेट

दरअसल जब एचएसवीपी ने प्रारंभ में जमीन अधिग्रहित की तो किसानों को 96 लाख रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से जमीन का भुगतान किया। उसके बाद किसान सिलसिलेवार कोर्ट-कचहरी में गए और जिला से लेकर उच्च न्यायालय तक उन्होंने जमीन के दाम कम बताए। इस एवज में किसानों को प्रति एकड़ और पैसे भी दिए गए। उस वक्त के हिसाब से एचएसवीपी को यह जमीन काफी महंगी पड़ी और उन्होंने कुछ बिके हुए प्लाटों पर इन्हासमेंट डाल दी। अब एचएसवीपी समय-समय पर ई-ऑक्शन करता है लेकिन लोगों की इसमें कोई खास रूचि नहीं रही। यह बात अलग है कि यहां के सैक्टर 3 में आज 50 हजार रुपये प्रति गज प्लाटों के रेट हो गए हैं।

### जर्जर हुई सडक़ें, खंभे भी झुके

सेक्टरों के विकसित न होने के कारण करोड़ों रुपये खर्च करके यहां पर बनाई गई लगभग सभी सडक़ें टूट चुकी हैं। बारिश के पानी के कारण बजरी सडक़ों से बहकर गड्ढों में जा चुकी हैं। अंडर ग्राउंड पाइप लाइन मिट्टी धंसने के कारण बाहर आ गई हैं। खंभे भी मिट्टी के खिसकने के कारण ढहने के कगार पर हैं।

फतेहाबाद। मण्डी में आई धान की फसल। फोटो: हरिभूमि

### लिफ्टिंग ने पकड़ा जोर

# फतेहाबाद में 1.48 लाख एमटी धान की आवक

- 57 प्रतिशत किसानों को 201 करोड़ का भुगतान

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

जिले की मंडियों और खरीद केन्द्रों पर धान की आवक के साथ लिफ्टिंग भी जोर पकड़ने लगी है। जिले में तीन खरीद एजेंसियां फूड एंड सप्लाई डिपार्टमेंट, हैफेड और हरियाणा वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन एमएसपी पर धान की खरीद कर रही है। जिले में अब तक 1 लाख 48 हजार 774 एमटी धान की आवक हो चुकी है। इसमें से करीब 62 प्रतिशत यानि 91 हजार 974 एमटी धान की उठान हो चुका है जबकि 56 हजार 800 एमटी धान अब भी मंडियों व खरीद केन्द्रों पर पड़ा है। बता दें कि सरकार द्वारा ग्रेड ए धान का सरकारी रेट 2389 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। फतेहाबाद जिले में फूड एंड सप्लाई, हैफेड और एचडब्ल्यूसी को सीएमआर के लिए 261 राइस मिलें अलाट की गई हैं। इनमें फूड एंड सप्लाई को 92, हैफेड को 85 व एचडब्ल्यूसी को 84 मिलें शामिल हैं। खरीद एजेंसियां अब तक 229 राइस मिलों के साथ एग्रीमेंट कर चुकी हैं, जिनमें फूड एंड सप्लाई द्वारा अब तक 77, हैफेड द्वारा 75 व एचडब्ल्यूसी द्वारा 77 मिलें शामिल हैं। जिले में अब तक 1 लाख 54 हजार 979 एमटी धान मण्डियों व खरीद केन्द्रों पर आया है जिसमें से 1 लाख 48 हजार 774 एमटी धान की खरीद की जा चुकी है।

### हैफेड ने 46 हजार एमटी धान खरीदा

फूड एंड सप्लाई द्वारा 55 प्रतिशत किसानों को 50 करोड़ 48 लाख रुपये का भुगतान किया जा चुका है। हैफेड द्वारा 3658 किसानों से 46 हजार 262 एमटी धान खरीदा है। इसमें से 62.73 प्रतिशत यानि 29022 एमटी धान की उठान हो चुका है जबकि 17240 एमटी धान मण्डियों में पड़ा है। हैफेड द्वारा 56 प्रतिशत किसानों को 62 करोड़ लाख रुपये का भुगतान किया जा चुका है।

# महिला 652 ग्राम गांजा सहित काबू

- टोहाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना शहर टोहाना पुलिस ने एक महिला को गांजा तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने मौके से 652 ग्राम गांजा बरामद किया है। रविवार को थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि पुलिस टीम एल/एएसआई सुशीला देवी के नेतृत्व में गश्त एवं अपराध पड़ताल के दौरान नहर पुल, रेलवे रोड टोहाना पर मौजूद थी। उसी दौरान सूचना प्राप्त हुई कि नारो निवासी टोहाना अपनी झोपड़ी के बाहर चारपाई पर बैठी गांजा बेच रही है। सूचना विश्वसनीय मानते हुए टीम ने तुरंत मौके पर रेड की।

गांजा सहित गिरफ्तार महिला।

### मामला दर्ज

*नियमानुसार तलाशी लेने पर पारदर्शी मोमी लिफाफे में रखा गांजा बरामद हुआ, जिसका कुल वजन 652 ग्राम पाया गया। आरोपी महिला से बरामद गांजा को कब्जा पुलिस में लेकर जब्त किया गया। इस संबंध में थाना शहर टोहाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच नियमानुसार जारी है। आरोपी महिला के आपराधिक रिकॉर्ड के अवलोकन से ज्ञात हुआ कि वह आदतन श्रेणी की अपराधी है तथा एनडीपीएस एक्ट के तहत पहले से 6 मामले थाना शहर टोहाना में दर्ज है।*

# फूड सेफ्टी विभाग ने बेकरी से पेस्टी का लिया सैंपल

- गौरव छाबड़ा के नेतृत्व में पुरानी मंडी में पहुंची टीम

हरिभूमि न्यूज ⏭कालांवाली

फूड सेफ्टी विभाग की टीम ने शिकायत के आधार पर गौरव छाबड़ा के नेतृत्व में पुरानी मंडी में एक बेकरी से दो किस्म की पेस्टी का सैंपल लिया। फूड सेफ्टी अधिकारी डॉ. गौरव छाबड़ा ने बताया कि शहर के एक व्यक्ति ने उपायुक्त को शिकायत दी कि पुरानी मंडी में स्थित वर्धमान बेकरी से उन्होंने पेस्टी आदि खरीदी थी जोकि खराब थी जिससे उनका बच्चा बीमार हो गया। जिसको लेकर उन्होंने शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत के आधार पर उन्होंने आज मौके का निरीक्षण किया ओर दो किस्म की पेस्टी के सैंपल लिए गए। उन्होंने कहा कि निरीक्षण दौरान पाया गया कि बेकरी पर किसी प्रकार की कोई सफाई व्यवस्था नहीं थी, जिस पर दुकानदार को सफाई रखने के निर्देश दिए गए है।

सिरसा। बेकरी पर सैंपल भरने की कार्रवाई करते हुए डॉ. गौरव व अन्य।

### लाइसेंस लेना जरूरी

निरीक्षण के दौरान डॉ. गौरव ने कहा कि जो भी खाद्य पदार्थ बनाने और उसे बेचने का काम कर रहा है उसे विभाग की गाइड लाइन के मुताबिक रजिस्ट्रेशन करवाना और लाइसेंस लेना जरूरी है। इसके अलावा एक क्विंटल दूध बेचने वाले को रजिस्ट्रेशन तथा इससे ज्यादा बेचने वाले को लाइसेंस लेना जरूरी है। नियमों की उल्लंघना करने वाले पर एक्ट के मुताबिक 6 महीने तक की सजा और 5 लाख रुपए तक का जुर्माना या दोनों का प्रावधान है। आमजन की सुरक्षा के लिए विभाग काफी सख्त है और नियमों की उल्लंघना करने वाले लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# बच्चों को पिलाई पोलियो रोधी की खुराक

- करीब 9843बच्चों को पोलियो की बूंदे पिलाने का लक्ष्य

हरिभूमि न्यूज ⏭कालांवाली

कालांवाली पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने के लिए कालांवाली में आठ बूथों पर बच्चों को पोलियो की बूंदें पिलाई गई। कालांवाली के एमओ डॉ. रवि कुमार ने बताया कि शहर में बच्चों को पोलियों की बूंदे पिलाने के लिए रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, अस्पताल भवन, श्री शिव बाड़ी, डीएन कॉलेज, गुरूद्वारा कलंगीधर साहिब, खुह वाला बाजार में स्थित श्री शिव मंदिर, महाजन धर्मशाला में बूथ स्थापित किए गए। जहां पर बच्चों को पोलियों की बूंदे पिलाई गई। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा कालांवाली सीएचसी के अंतगर्त कालांवाली शहर व ग्रामीण क्षेत्र में करीब 9843बच्चों को पोलियो की बूंदे पिलाने का लक्ष्य तय किया है। इसके अलावा सभी कर्मचारियों को हिदायतें दी गई है कि वे अपने स्लम एरिया व हाई रिस्क एरिया पर अधिक ध्यान दें तथा यह सुनिश्चित करें कि कोई बच्चा ना छूटे।

सिरसा। बच्चे को पोलियों की बूंद पिलाते हुए स्वास्थ्य कर्मी। फोटो: हरिभूमि

### 57 टीमें बनाई

रवि कुमारने बताया कि अभियान को सफल बनाने के लिए समाजिक संस्थाओं, आंगनबाडी वर्कर, आशा वर्करों का भी सहयोग लिया गया। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा कालांवाली सीएचसी के अंतगर्त 57 टीमें बनाई गई है। इसके अलावा तीन मोबाइल टीमें व तीन ट्रांजिट टीमें गठित की गई है, जोकि दो दिन घरों में जाकर बच्चों को पोलियों की खुराक पिलाने का काम

# साइबर ठगी का आरोपी कर्नाटक से काबू

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना साइबर फतेहाबाद पुलिस ने ऑनलाइन ठगी के एक मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को कर्नाटक राज्य से काबू किया है। आरोपी की पहचान एजाज अहमद पुत्र अब्दुल रज्जाक अकंदर निवासी मारुति नगर, मुद्धेवीहाल, कर्नाटक के रूप में हुई है। रविवार को थाना साइबर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक राहुल ने बताया कि थाना साइबर में 2 अक्टूबर 2024 को प्राप्त शिकायत के अनुसार राजीव कुमार पुत्र तारा चंद निवासी सुभाष नगर, खेमाखाती रोड, फतेहाबाद ने बयान दर्ज करवाया कि वह राजकीय प्राथमिक पाठशाला मताना में अध्यापक हैं। शिकायतकर्ता ने बताया कि 2 अक्तूबर 2024 को उसके मोबाइल पर एक व्यक्ति ने कॉल कर ऑनलाइन ट्रेडिंग के माध्यम से अधिक कमीशन कमाने का झांसा दिया। आरोपी ने शिकायतकर्ता को क्यूआर कोड स्कैन कर 2 हजार रुपये भेजने को कहा और उसके बाद 8 हजार रुपये और भेजने को कहा।

- आरोपी की पहचान एजाज निवासी मारुति नगर, कर्नाटक के रूप में हुई

कर्नाटक से गिरफ्तार युवक।

### रहे सावधान

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस ने कहा कि साइबर ठगों से सावधान रहें। कोई भी अनजान लिंक, कॉल या क्यूआर कोड स्कैन करने से पहले सतर्कता बरतें। संदिग्ध गतिविधि दिखाई देने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 या नजदीकी थाना साइबर फतेहाबाद में संपर्क करें।

### सिरसा के गांव खुईयांनेपालपुर का मामला

# खुईयांनेपालपुर में लाखों के आभूषण व नकदी चोरी

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

जिला के गांव खुईयांनेपालपुर में शनिवार देर रात्रि अज्ञात चोर एक घर को निशाना बनाते हुए हजारों रुपये की नकदी व लाखों रुपये के आभूषण चोरी कर ले गए। सूचना के बाद ओढां पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी लेते हुए जांच-पड़ताल शुरू की। जानकारी मुताबिक किसान हरीश मेहता घर में बेटे व पत्नी के साथ सोया हुआ था। अद्र्धरात्रि को उसकी पत्नी सुमन की सामान गिरने की आवाज सुनकर नींद खुली तो उसने देखा कि एक व्यक्ति कमरे से बाहर भाग रहा था। शोर मचाए जाने उपरांत परिवार के अन्य सदस्य उठकर चोर के पीछे दौड़े, लेकिन वह फरार होने में कामयाब हो गया। हरीश मेहता ने बताया कि वह रात्रि करीब सवा 12 बजे खेत से घर आकर सोया था। जबकि उसकी पत्नी बेटे मयंक के साथ दूसरे कमरे में सोई हुई थी। रात ढाई बजे उसकी पत्नी को अलमारी से कुछ गिरने की आवाज सुनी तो उसने शोर मचाया। जिस पर वह उठकर भागा, लेकिन उससे पहले चोर फरार हो गया।

### निर्देश

## दिवाली, गोवर्धन व विश्वकर्मा पूजा पर चप्पे-चप्पे पर रहेगी पुलिस की पैनी नजर

*मुख्य कस्बों व प्रवेश मार्गों पर कुल 13 नाके, 17 चेकिंग पॉइंट्स स्थापित किए*

# रात 8 बजे से 10 बजे तक पटाखे फोड़ने का समय, केवल ग्रीन पटाखों की अनुमति

शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। फतेहाबाद जिले के मुख्य कस्बों व प्रवेश मार्गों पर कुल 13 नाके, 17 चेकिंग पॉइंट्स, 7 अंतर्राज्यीय नाके तथा 9 अंतर जिला नाके स्थापित किए गए हैं। इन स्थानों पर प्रशिक्षित पुलिस बल तैनात रहेगा, जो संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की कड़ी जांच करेगा। नशे, हथियारों और आपराधिक तत्वों की आवाजाही पर रोक लगाने के लिए यह व्यवस्था बेहद कारगर सिद्ध होगी। धार्मिक स्थलों, मेलों और भीड़-भाड़ वाले बाजारों में सादी वर्दी में पुलिस बल, सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी, तथा महिला पुलिस की गश्त को बढ़ाया गया है। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त फोर्स की भी तैनाती की गई है।

एसपी सिद्धांत जैन।

### दिशा-निर्देश जारी

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने आमजन को दीपावली पर सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल तरीके से उत्सव मनाने की अपील की है। इस मौके पर पटाखों के प्रयोग को लेकर कड़े दिशा-निर्देश भी जारी किए गए हैं। पटाखे फोडने का समय केवल शाम 8 बजे से रात 10 बजे तक निर्धारित किया गया है। सिर्फ एनजीटी अनुमोदित ग्रीन पटाखों की अनुमति होगी। लड़ी, बम जैसे तेज आवाज वाले पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। अस्पताल, धार्मिक स्थल, स्कूल व सार्वजनिक स्थानों के पास पटाखे चलाना पूरी तरह मना है। बच्चों को पटाखे फोड़ते समय वयस्कों की निगरानी में रखें।

### 24 घंटे अलर्ट मोड़ में रहेंगी आपात सेवाएं

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सभी थाना और चौकी प्रभारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में निगरानी और गश्त बढ़ाएं। किसी भी आपात स्थिति में नागरिक पुलिस नियंत्रण कक्ष के मोबाइल नंबर 88140-11741 या पुलिस हेल्पलाइन 112 पर तत्काल सूचना दें। फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस और आपात सेवाएं 24 घंटे अलर्ट मोड में रहेंगी।

# परंपरा और विश्वास का लोकपर्व है अहोई अष्टमी

हरियाणा एक ऐसा प्रदेश है जहां त्योहार केवल रस्म नहीं होते, बल्कि सामाजिक तालमेल और खुशियों का प्रतीक भी होते हैं। माताएँ अपनी संतान की दीर्घायु के लिए अहोई माता का व्रत रखती हैं। हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में "होई माता" की कथा और पारंपरिक चित्रांकन का विशेष महत्व है।

पर्व

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणा अपनी संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ की मिट्टी में मेहनत, वीरता और अपनेपन के साथ-साथ अतीत से ही सांस्कृतिक सुगंध भी बसी है। इसीलिए हरियाणा के लोग न केवल कृषि और खेलों में अग्रणी है बल्कि अपने धार्मिक और सांस्कृतिक त्योहारों को पूरे हर्षोल्लास से मनाने के लिए भी जाने जाते हैं। हरियाणा एक ऐसा प्रदेश है जहां त्योहार केवल रस्म नहीं होते, बल्कि सामाजिक तालमेल और खुशियों का प्रतीक भी होते हैं। लोग पारंपरिक लोक गीतों, नृत्यों और सादगी भरे रीति-रिवाज़ों से त्योहारों को जीवंत बना देते हैं।

यहाँ त्योहार केवल पूजा तक सीमित नहीं, बल्कि गाँवों में सामूहिक एकता, रिश्तों की मजबूती और परंपराओं की निरंतरता का प्रतीक हैं। इसके अलावा यह जानना रोचक होगा कि हरियाणा में हर त्योहार को मनाने के पीछे कुछ वैज्ञानिक, सामाजिक अथवा सांस्कृतिक कारण रहते हैं। फिर चाहे होली, दीवाली, गोवर्धन पूजा, बासोड़ा, शीतला अष्टमी, धुलेंडी, तीज, रक्षाबंधन, भाईदूज, करवा चौथ, नवरात्र, बसंत पंचमी हो या अहोई अष्टमी। गौरतलब है कि हरियाणवी संस्कृति में नारी जाति का विशेष सम्मान है। माँ, बहन और बेटी के रूप में नारी को शक्ति और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। तीज, रक्षाबंधन, करवा चौथ जैसे अनेक पर्व स्त्रियों की श्रद्धा तथा विश्वास का प्रतीक हैं और उन्हीं में से एक है 'अहोई अष्टमी' अहोई अष्टमी कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाने वाला त्योहार है जो दिवाली से लगभग 8 दिन पहले। सनातन पंचांग के अनुसार, यह तिथि करवा चौथ के ठीक चार दिन बाद और दिवाली से सात-आठ दिन पहले आती है।

अहोई अष्टमी मुख्यतः उत्तर भारत में बड़े श्रद्धाभाव से मनाई जाती है। यह पर्व विशेष रूप से हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, राजस्थान और बिहार में अत्यंत लोकप्रिय है, जहाँ माताएँ संतान की दीर्घायु के लिए अहोई माता का व्रत रखती हैं। हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में "होई माता" की कथा और पारंपरिक चित्रांकन का विशेष महत्व है। मध्य प्रदेश और गुजरात में भी उत्तर भारतीय परिवारों के बीच यह परंपरा प्रचलित है। इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के कुछ क्षेत्रों में भी अहोई अष्टमी का व्रत किया जाता है। भारत के बाहर, फिजी, मॉरीशस, सूरीनाम, कनाडा, ब्रिटेन और अमेरिका जैसे देशों में बसे भारतीय समुदाय भी इस पर्व को उतनी ही आस्था से मनाते हैं। हरियाणा के साथ-साथ सम्पूर्ण भारत इस वर्ष की अहोई अष्टमी आज सोमवार 13 अक्टूबर 2025 (सोमवार) को मना रहा है।

इस दिन माताएँ व्रत रखती हैं और अहोई माता की पूजा करके अपने बच्चों की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और स्वस्थ जीवन की कामना करती हैं। पावन भाव से व्रत करते हुए महिलाएं अपने घरों में बच्चों के लिए विशेष व्यंजन भी बनाती हैं। अहोई अष्टमी की सुबह महिलाएँ स्नान कर निर्जला व्रत आरंभ करती हैं और शाम को तारों के दर्शन के बाद ही व्रत खोलती हैं। माना जाता है कि अहोई माता की पूजा करने से संतान की रक्षा होती है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। अहोई अष्टमी के दिन "अहोई कथा" सुनने की भी परंपरा है। शाम के समय गाँव की महिलाएँ एकत्र होकर अहोई माता की कथा का वाचन करती हैं। इस सन्दर्भ में प्रचलित लोक कथा के अनुसार, एक बार एक स्त्री जंगल में मिट्टी खोदने गई थी। अनजाने में उसके फावड़े से एक साही (या शेरनी के बच्चे) को चोट लग गई और वह मर गया। उस स्त्री को शाप मिला कि उसकी संतान जीवित नहीं रहेगी। दुःखी होकर जब उसने पश्चाताप किया, तो उसे बताया गया कि वह कार्तिक कृष्ण अष्टमी के दिन अहोई माता की पूजा करे। स्त्री ने श्रद्धा से व्रत रखा और माता की कृपा से उसे संतान सुख प्राप्त हुआ। तभी से यह व्रत अहोई अष्टमी के नाम से प्रसिद्ध हुआ। कथा के बाद सात बार "अहोई माता की जय" बोलकर माताएँ अपने बच्चों के नाम लेती हैं और माता से उनकी रक्षा और लंबी आयु की प्रार्थना करती हैं।

अहोई अष्टमी का पर्व बड़े श्रद्धा के साथ जनमानस को लोककला से जोड़ने का कार्य करता चला आ रहा है। हरियाणा के कई इलाकों में अहोई अष्टमी लोककला का भी सुंदर प्रदर्शन बन जाती है। इस दिन महिलाएँ अपने घरों में दीवार या कागज़ पर अहोई माता की आकृति बनाती हैं। यह चित्र गेरू, चावल के घोल या मिट्टी से पारंपरिक लोककला शैली में बनाया जाता है। चित्र में माता के साथ सात बिंदियाँ बनाई जाती हैं, जो सात संतान या सात पीढ़ियों का प्रतीक मानी जाती हैं। बाघ या साही का चित्र अहोई माता का वाहन दर्शाता है। महिलाएँ अहोई माता की आकृति पारंपरिक शैली में बनाती हैं, उसके आगे जकरी रखती हैं और चाँदी की "श्यो माता की माला" भी रखती हैं। घर में जितने बच्चे हों उतनी ही चांदी से बनी पत्तियाँ माला में डालकर इन पर पहनाई जाती हैं या यह माला विवाहित स्त्रियाँ संतान प्राप्ति की कामना से धारण करती हैं। मिट्टी की "जकरी" बनाई जाती है जिसे पूजा के बाद जलाशय में विसर्जित किया जाता है। हालांकि मिट्टी की "जकरी" का स्थान आजकल लगभग सब जगह धातु के बने छोटे कलश ने ले लिया है।

अहोई माता की आकृति पारंपरिक शैली में बने चित्र के आगे दो "जकरियाँ" रखी जाती हैं, एक में पानी और दूसरी में अनाज या भोजन सामग्री। पूजा के समय इन जकरियों में दीपक जलाकर माता की आराधना की जाती है, प्रसाद चढ़ाया जाता है और कथा सुनने के बाद सभी महिलाएँ एक-दूसरे को शुभकामनाएँ देती हैं। पूजा के बाद इन्हें अहोई माता के आगे रखा जाता है और भाई दूज के दिन "पानी वाली जकरी" का जल घर में छिड़का जाता है।

**हरियाणा की लोक परंपरा में "बाणा काढ़ना" भी अहोई अष्टमी के दिन की जाने वाली परम्पराओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। "बाणा" जिसमें महिलाएं इस दिन सास और ननद बहू को श्रृंगार सामग्री जैसे चूड़ियाँ, बिंदी, सिंदूर, मिठाई, कपड़े या नारियल भेंट करती हैं। यह प्रथा परिवार में प्रेम और अपनापन बढ़ाने का प्रतीक मानी जाती है। हरियाणा में यह कहावत प्रचलित है "सासू देवे बाणा, बहू राखे व्रत निभाणा।"**

ऐसा माना जाता है कि इससे घर का वातावरण पवित्र रहता है और बच्चों की सुरक्षा होती है। इस परंपरा में हरियाणा के लोगों की आस्था और घरेलू संस्कारों की गहराई झलकती है। हरियाणा की लोक परंपरा में "बाणा काढ़ना" भी अहोई अष्टमी के दिन की जाने वाली परम्पराओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। "बाणा" जिसमें महिलाएं इस दिन सास और ननद बहू को श्रृंगार सामग्री जैसे चूड़ियाँ, बिंदी, सिंदूर, मिठाई, कपड़े या नारियल भेंट करती हैं। यह प्रथा परिवार में प्रेम और अपनापन बढ़ाने का प्रतीक मानी जाती है। हरियाणा में यह कहावत प्रचलित है "सासू देवे बाणा, बहू राखे व्रत निभाणा।" इससे परंपरागत ढंग से बड़ों के प्रति सम्मान की भावना का विकास भी होता है।

जन सामान्य से प्राप्त जानकारी के अनुसार हरियाणा के विभिन्न जिलों में अहोई अष्टमी की अपनी अलग-अलग लोक परंपराएँ हैं। रोहतक और झज्जर क्षेत्र में महिलाएँ अहोई माता का चित्र चाँदी के फ्रेम में रखकर पूजा करती हैं और "सात अनाज" जैसे गेहूँ, चावल, मूँग, सरसों, तिल, दालें और जौ का दान देती हैं। भिवानी और सिरसा में बच्चों के हाथ में सुई-धागा बंधवाने की परंपरा है, जो सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। वहाँ पूजा के समय हलवा-पूरी का भोग लगाया जाता है और बाद में बच्चों को खिलाया जाता है। पानीपत, करनाल और कुरुक्षेत्र की महिलाएँ शाम को मंदिरों में एकत्र होकर सामूहिक रूप से आरती गाती हैं और इसे दीवाली की तैयारियों की शुरुआत मानती हैं। रेवाड़ी, गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसे शहरी क्षेत्रों में अब प्रिंटेड या डिजिटल चित्रों से पूजा की जाती है, लेकिन भाव वही रहता है बच्चों की सुरक्षा और परिवार की समृद्धि की कामना।

इस अवसर पर पूजा के बाद महिलाएँ गरीबों या जरूरतमंदों को भोजन, कपड़े या अनाज दान करती हैं और बड़ों के चरण छूकर आशीर्वाद लेती हैं। कई जगहों पर महिलाएँ अपने आँगन में मिट्टी के बने छोटे-छोटे दीयों की कतार लगाती हैं जिन्हें "अहोई दीए" कहा जाता है। तारे निकलने के बाद माताएँ बच्चों के नाम लेकर तारों को अर्घ्य देती हैं। इस तरह अहोई अष्टमी हरियाणा में न केवल धार्मिक श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि परिवारिक एकता, स्त्री के त्याग और मातृत्व की भावनाओं का उत्सव भी है। यह पर्व पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलती आ रही उस संस्कृति का प्रमाण है, जिसमें स्त्री अपने परिवार के सुख और संतानों के कल्याण के लिए तप और भक्ति दोनों को समान भाव से निभाती है। अहोई माता की पूजा केवल एक व्रत नहीं, बल्कि प्रेम, आस्था और मातृत्व की अखंड परंपरा है जो हरियाणा की मिट्टी में आज भी उसी भाव से जीवित है।

संस्कृति | रामबीर सिंह 'राम'

## लोकगीतों में 'कातक'

राम-राम! हरियाणवियों अथवा भारतीयों के लिए ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में बसे भारतवंशियों के लिए दिवाली का पावन पर्व का उल्लास, उत्साह और विश्वास उनके जीवन का अंग है। इसलिए दिवाली मनाने के बारे में कुछ कहना या लिखना बेमानी-सा प्रतीत होता है। इस पर भी उन हरियाणा के लोगों की बात करें जो अपने दिन की शुरुआत से लेकर किसी से अभिवादन तक 'राम' के अतिरिक्त किसी और शब्द को स्थान न देते हों तो थोड़ा और हैरानी की बात होगी। दरअसल, भारत में दीपावली केवल एक दिन का पर्व नहीं, बल्कि पांच दिन का उत्सव अर्थात 'पंचोत्सव' है, जो कार्तिक मास की त्रयोदशी तिथि से लेकर शुक्ल पक्ष की द्वितीया तक मनाया जाता है।

ऐसे में जब दिवाली को लेकर हम हरियाणा की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि देखते हैं तो वह आह्लादित कर देती है। जहाँ पूरा कार्तिक माह ही एक उत्सव प्रतीत होता है और इसे पवित्र और पुण्यदायी महीना माना जाता है। हरियाणा में कार्तिक के माह के लोकगीत प्रचलन में हैं। इन लोकगीतों की जड़ें उतनी ही गहरी हैं, जितनी उसकी कृषि परंपरा। जब कार्तिक का महीना आता है, तो गाँवों की सुबह सरोवरों की कलकल ध्वनि और लोकनारी के स्वर से गूंज उठती हैं। महिलाएं भोर में सूर्योदय से पूर्व सरोवरों में 'कातक न्हाण' यानि स्नान के लिए जाती हैं। 'कातक न्हाण' के लिए महिलाएँ प्रातःकाल मिट्टी के दीप जलाकर, हाथों में पूजन सामग्री लिए, समूहों में एकत्र होती हैं। उनके कंठ से फूटते हैं वे मधुर हरियाणवी गीत जो पीढ़ियों से विरासत बनकर चले आ रहे हैं। एक ऐसा प्रसिद्ध गीत देखिए .....

*राम अर लछमण दशरथ के बेटे*
*दोन्यूं बणखंड जां,*
*हे जी कोई राम मिलै भगवान,*
*एक बण चाले दो बण चाले*
*तीजे में लग आई प्यास,*
*हे जी कोई राम मिलै भगवान,*

इसी प्रकार एक और गीत में तुलसी पूजा पर देखें..

*....तुलसां माता तैं सुख दाता*
*बिडला सीजूं तेरा*
*तैं कर निस्तारा मेरा*
*किरसन जी का कांधा दइओ*
*पीताम्बर की धोती दइओ*
*बैकुंठ का बासा दइओ*
*हो ज्या निस्तारा मेरा*
*बिडला सीजूं तेरा*

ऐसा ही एक और लोकगीत देखें ....

*सत की साथण पाणी नै चाली, या तुलसां गैल होली हो राम*
*भरण गाई जल जमना की झारी हो राम*
*सत की साथण न्यू उठ बोली या तुलसां ओड कुवारी हो राम*
*भरण गाई जल जमना की झारी हो राम*

कार्तिक स्नान पर ही एक गीत अद्भुत है जो आम जन-जीवन की स्थितियां परिभाषित करता है ....

*आओ राधा नहाण चलां, मेरे राम*
*म्हारा तो नहीं ए चलान,दूधां मैं रम रही मेरे राम।*
*दूधां का कैसा हे गमान,आवै बिलाई पी जावै हरे राम।*

कातक के महीने के कुछ लोकगीत यहाँ उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किए हैं। ये केवल बानगी हैं। अन्यथा हरियाणवी लोकगीतों की सरिता निरंतर प्रवाहमयी है, जिसमें श्रद्धा के साथ-साथ गृहस्थ जीवन की सादगी और ग्रामीण स्त्री की भावनाओं का संगीत भी बहता है। ये गीत न केवल स्नान की विधि का अंग हैं, बल्कि लोकभक्ति, आस्था और सामाजिक एकता के जीवंत प्रतीक हैं, जिसमें कार्तिक न्हाण के गीत भी इसी भावधारा के प्रतीक हैं। इन गीतों में रामभक्ति और कृष्णभक्ति का माधुर्य, नदियों का पवित्र स्पर्श और खेत-खलिहान की गंध घुली है। जो हमारी गाँव की आत्मा, नारी की श्रद्धा और संस्कृति की निरंतरता के सजीव प्रमाण हैं।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

प्रकाश | जब दिवाली की रात नै हजारां दीये जलैं सैं, तो वे सिर्फ अन्धेरे नै दूर कोनी करदे, बल्कि म्हारे मन म्ह उम्मीद जगावैं सैं

# दीया : म्हारी सनातन संस्कृति की अमर ज्योत

परंपरा | जयदेव राठी भराण

माट्टी के उस छोट्टे से दीये म्ह जो ज्योत जलैं सै, वा सिर्फ उजाला कोनी, बल्कि म्हारी सनातन संस्कृति की आत्मा सै। जब कोए दीया जलैं सै, तो वो सिर्फ अन्धेरे नै दूर कोनी करदा, बल्कि अपणे भित्तर के अज्ञान रूपी अन्धेरे नै भी मिटाण का संकल्प लेवै सै। यो साधारण सा दिखण आल्ला माट्टी का दीया म्हारी आस्था, बिश्वास अर आध्यात्मिकता का निशान सै।

**माट्टी तै बण्या, माट्टी म्ह मिलण आल्ला**

दीये की सबतै बड्डी खासियत यो सै के वो माट्टी तै बणै सै - उस्से पंचतत्व तै जिसतै यो दुनिया अर हम सारे बणे सां। कुम्हार अपणे हाथां तै जब माट्टी नै आकार देवै सै, तो वो सिर्फ एक बर्तन कोनी बणावै, बल्कि पूजा का एक पवित्तर साधन बणावै सै। यो दीया हाम्नै याद दिलावै सै के हम सारे माट्टी के बणे सां अर एक दिन माट्टी म्ह ए मिल जावांगे।

यो साधारणता म्ह असाधारणता का संदेश देवै सै। दीये की बणावट जितनी सीधी सै, उतना ए गहरा सै इसका दर्शन। चार मुंहा दीया हो या एक मुंहा, हरेक दीये म्ह तेल या घी भरया जावै सै अर बाती राक्खी जावै सै। जब यो दीया जलैं सै, तो इसकी लौ ऊपर कान्नी उठै सै - यो हाम्नै सिखावै सै के जिन्दगी म्ह हमेशा ऊपर उठण का, उन्नति का जतन करणा चाहिए।

**आत्मा की लौ, ध्यात्मिक महत्त्व**

सनातन धरम मै दीया आत्मा का प्रतीक होवै सै। जैसे दीया तेल, घी और बाती तै जलैं सै, उसे तरहैं आत्मा शरीर और करम तै चमकै सै। ध्यान लगावण मै दीया की लौ ठहरै सै और मन भी पूजा, यज्ञ और ध्यान मै दीया जरूरी सै क्योंकि यो अंदर की ज्योत नै जगावै सै ।सनातन परम्परा म्ह दीया का आध्यात्मिक महत्त्व घणा गहरा सै। दीये की ज्योत नै ब्रह्म का निशान मान्या जावै सै - वो परम उजाला जो सारे अन्धेरयां नै दूर करै सै। जब हम किसे देवता कै आठगै दीया जलांवां सां, तो यो सिर्फ एक रस्म कोनी होवै, बल्कि यो म्हारी प्रार्थना होवै सै के 'हे प्रभु, जिसा यो दीया अन्धेरे नै दूर कर रह्या सै, उस्से तरहां ए मेरी जिन्दगी तै अज्ञान का अन्धेरा दूर करो'। दीये के विभिन्न अंग हामनै जिन्दगी की सीख देवैं सै। दीये का आधार म्हारी नींव सै - म्हारे संस्कार, म्हारी माट्टी। तेल या घी म्हारे करमां का निशान सै - बढ़िया सोच करम ए जिन्दगी रूपी दीये नै जल्लाएं राक्खैं सै। बाती म्हारा मन सै - जै मन साफ सै तो ज्योत स्थिर अर चमकदार रहवैगी। अर वा लौ वा म्हारी आत्मा सै, जो सदा ऊपर, परमात्मा की ओड़ उठण का जतन करै सै।

**प्रकृति और परम्परा, समाज की बात**

आज जैब बिजली का झाल्लर और प्लास्टिक का सजावट चालै सै, तो माटी का दीया जलाणा एक तरहैं तैं पर्यावरण बचावै और आत्मनिर्भरता का फैसला बन गया सै। दीया ना केवल प्रकृति नै बचावणै की जिम्मेदारी दिखावै सै, बल्कि गांम के कारीगरों के घर मै भी उजाला करै सै। हर एक रोजगार सै एक सम्मान सै। माटी का दीया गांम के कुम्हार की मेहनत का प्रतीक सै, जो शहर मै भी अपनी जगह बना ले सै। दीया एकता, अपनापन और लोक कला की पहचान सै।

**दीया म्हारी सभ्यता का वाहक, आस्था का निशान**

दीया सिर्फ माटी का बण्या एक छोटा पात्र कोनी सै, यो म्हारी सभ्यता का वाहक सै, म्हारी आस्था का निशान सै। म्हारी जिन्दगी दर्शन का मूर्त सै, जब हम एक दीया जलावां सां तो हम अपणे भित्तर भी एक दीया जलावां सां - ज्ञान का, प्रेम का और करुणा का। सनातन संस्कृति म्ह दीये का स्थान अमर सै।

*यूगों तै यो म्हारे घरां म्ह, मन्दरां म्ह,*
*तीज - त्यौहारां म्ह उजाला फैला रह सै।*
*तमसो मा ज्योर्तिमय ॥*

दीया निराशा म्ह आशा का निशान सै। जब कोए माणस दुःख म्ह होवै सै, अन्धेरे तै घिरया होवै सै, तब एक दीया जलां कै हम उसनै संदेश देवां सां - अन्धेरा कितना भी घना हो, उजाले की जीत पक्की सै। योए संदेश सै म्हारी संस्कृति का - तमसो मा ज्योतिर्गमय - अन्धेरे तै उजाले की ओर चाल्लो।

जब दीवाली की रात नै हजारां दीये जलैं सैं, तो वे सिर्फ अन्धेरे नै दूर कोनी करदे, बल्कि म्हारे मन म्ह उम्मीद जगावैं सैं। वे कहवैं सैं के जिन्दगी म्ह कितनी भी मुश्किलां आवैं, हम मिलकै उनने दूर कर सकां सां। हरेक छोट्टा जतन महत्त्वपूर्ण सै, जिसा हरेक छोट्टा दीया अन्धेरे नै कम करण म्ह योगदान देवै सै। आण आली पीढ़ी जब दीया जलावै गी तो वे ना सिर्फ एक परम्परा का पालन करै गी बल्कि उस शाश्वत सच नै भी जिन्दा राख्गी उजाला ए जिन्दगी सै उजाला ए सच सै।

**दीया निराशा म्ह आशा का निशान सै। जब कोए माणस दुःख म्ह होवै सै, अन्धेरे तै घिरया होवै सै, तब एक दीया जलां कै हम उसनै संदेश देवां सां - अन्धेरा कितना भी घना हो, उजाले की जीत पक्की सै। योए संदेश सै म्हारी संस्कृति का - तमसो मा ज्योतिर्गमय - अन्धेरे तै उजाले की ओर चाल्लो।**

आओ हम सारे संकल्प लेवां के अपणी जिंदगी नै एक दीये की तरह बणावां जो खुद जलैं अर दूसरां नै भी उजाला दे जो विनम्रता तै माटी पै टिक्का हो सै पर जिसकी ज्योत आसमान की ओड उठै सै । जो अन्धेरे तै लडै अर सदा उजाले की जीत का संदेश दें।

*दीपों ज्योति परब्रह्म, दीपो ज्योति जनार्दन : ।*
*दीपो हरतु मे पाप दीप ज्योतिनरमोस्तुते ॥*

योए सै दीये की महिमा, योए सै उसका संदेश, जब ताहीं या दुनिया सै, दीये की ज्योत म्हारी जिंदगी नै उजाली करदी रहवै गी ।

# सांस्कृतिक धरोहर वृद्ध केदार तीर्थ और ग्यारह रुद्री मंदिर

आस्था | अंकुर शर्मा

सरस्वती की पवित्र धारा से पोषित कैथल एक महाभारत कालीन ऐतिहासिक शहर है। इसे वेद, पुराण, महाभारत आदि पवित्र ग्रंथों की रचना स्थली होने का गौरव प्राप्त है। विद्वानों का मानना है कि जहां सरस्वती नदी के तट पर वेदों की ऋचाओं का सृजन हुआ; जहां कपिष्ठल गोत्रीय लोगों ने ही कपिष्ठल-कठ संहिता नामक ग्रन्थ की रचना की; जहां विश्व प्रसिद्ध गणितज्ञ वराह मिहिर ने भी अपनी शिक्षा यहां प्राप्त कर बृहत्सहिता जैसे श्रेष्ठ ग्रंथ की रचना की थी; वह कपिस्थल ही है। महाभारत, वामन पुराण, पाणिनी की अष्ठाध्यायी में कपिस्थल का उल्लेख मिलता है। चौथी शताब्दी ई.पू. के सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में यूनान के राजदूत रहे मैगस्थनीज ने अपनी पुस्तक इंडिका में इसे कबीस्थलो लिखा है। प्रसिद्ध विदेशी यात्री अल्बरूनी ने अपनी पुस्तक किताब-उल-हिन्द में कवितात नाम से इस का उल्लेख किया है। एक किवदन्ती के अनुसार यहां कपि अर्थात बन्दर अधिक पाए जाने के कारण इसे कपिस्थल कहा जाता था। यहां अंजनी माई का टीला है जिसे हनुमान जी का जन्म स्थान माना जाता है। इस प्रकार कपिस्थल, कपिष्ठल, कवितात ही अपभ्रंश होता हुआ आज का कैथल बना है।

कपिस्थल की पवित्रता और सांस्कृतिक समृद्धि का उल्लेख वामन पुराण और महाभारत में विस्तार से किया गया है। ऋग्वेद के तृतीय मण्डल 3/23/4 में सरस्वती की उपनदी आपगा नदी की स्थिति का उल्लेख किया गया है। जबकि वामन पुराण तथा महाभारत के वन पर्व में कैथल के पश्चिम में आपगा और मानुष तीर्थ स्थान है। जबकि ऋग्वेद प्रथम मंडल(1/23/4) में भी अपाय और मानुष का उल्लेख आता है। कुरुक्षेत्र की पवित्र 48 कोस में प्राप्त 134 तीर्थ स्थानों में से 50 तीर्थ सांस्कृतिक रूप से समृद्ध कैथल की परिधि में आते हैं। जिनमें पवनहृद तीर्थ, फल्गु तीर्थ, पवनेश्वर तीर्थ, कपिल मुनि तीर्थ, पुण्डरीक तीर्थ, कोटिकूट तीर्थ, वेदवती तीर्थ, वृद्ध केदार तीर्थ,

ग्यारह रुद्री तीर्थ, हव्य तीर्थ, रसमंगल तीर्थ, इक्षुमति तीर्थ, अरंतुक यक्ष, लवकुश तीर्थ, वामन तीर्थ, ऋणमोचन तीर्थ आदि प्रमुख हैं। इन पवित्र तीर्थों में से दो तीर्थ वृद्ध केदार और ग्यारह रुद्री कैथल शहर के मध्य स्थित हैं। जिनका बहुत महत्त्व माना जाता है।

कैथल से उत्तर पूर्व में स्थित वृद्ध केदार तीर्थ का बहुत प्रसिद्ध है। वामन पुराण 36वें अध्याय में बताया गया है कि अगर कोई व्यक्ति इस स्थान पर तर्पण करके भगवान शिव को प्रणाम करने के बाद तीन चल्लू पानी पिता है, वह केदार तीर्थ पर जाने का फल प्राप्त कर लेता है -

*कपिलस्थेति विख्यातं सर्वपातकनाशनम।*
*यस्मिन स्थितः स्वयं देवो वृद्धकेदारसंज्ञितः । (वामन पुराण, 36/14)*

इसी प्रकार इस सन्दर्भ में महाभारत के वन पर्व में वर्णित है:

*कपिष्ठलस्य केदारं समासाद्य सुदुर्लभम ।*
*अन्तर्धानमवाप्नोति तपसा दग्धकिल्बिषम ॥ (महाभारत, वन पर्व 83/74)*

यहां एक शिव मन्दिर बना हुआ है जो अष्टकोणीय है। यहां बने सरोवर की बुजियां भी अष्टकोणीय आकार लिए हैं। वामन पुराण में ऐसा भी कहा गया है कि कपिस्थल नामक तीर्थ में वृद्ध केदार नामक भगवान स्वयं विराजमान हैं। इसी प्रकार कैथल के ही पश्चिम में दूसरा महाभारत काल से एक प्रसिद्ध पुण्यदायी तीर्थ स्थान एवं मंदिर है ग्यारह रूद्री । इस मन्दिर में ग्यारह रूद्रों की स्थापना की गई है। जिनके विषय में महाभारत में वर्णित उल्लेख के अनुसार ब्रह्मा जी के मानस पुत्र जो महान ऋषि थे मृगव्याध, सर्प, निऋति, विनाकी, अहिवुध, अजैकपाद दहन, ईश्वर, कपाली, स्थाणु और भव। महाभारत के आदिपर्व में लिखा है :-

*एकादशसुताः स्थाणोः ख्याताः परमतेजसः।*
*मृगव्याधश्चसर्पश्च निऋतिश्चमहायशाः।*
*अजैकपादहिर्बुध्न्यः पिनाकी च परंतप।*
*दहनोथेश्वरश्चैव कपाली च महाद्युतिः।*
*स्थाणुर्मगश्च भगवान रूद्रा एकादशस्मृताः। (महाभारत, आदि पर्व 66/1-3)*

ये एकादश ही रूद्रों के रूप में प्रसिद्ध हुए हैं। इस मन्दिर में जलहरी में ग्यारह रूद्र स्थापित किए गए हैं। मन्दिर के दक्षिण में सर्वदेव नामक तीर्थ है। जिसे सकलसर भी कहा गया है।

कैथल के तीर्थों और मंदिरों के बारे में इस संक्षिप्त आलेख में तो यही कहा जा सकता कि कैथल के मंदिरों और तीर्थस्थलों का महत्त्व केवल आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नगर की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान से जुड़ा हुआ है। यहाँ का प्रत्येक मंदिर भगवान हनुमान का प्रसिद्ध अन्नपूर्णा मंदिर हो या श्री राधा-कृष्ण का शांतिमय धाम, जनमानस की श्रद्धा और परंपरा का जीवंत प्रतीक है। इन तीर्थों के दर्शन से न केवल धार्मिक संतोष मिलता है, बल्कि यह नगर के गौरवशाली अतीत की झलक भी प्रदान करते हैं। कैथल की भूमि स्वयं महाभारतकालीन स्मृतियों से ओतप्रोत है, जहाँ धर्म, वीरता और भक्ति एक साथ प्रवाहित होते हैं। यहाँ के मंदिरों में गूंजती आरती, साधु-संतों के प्रवचन और तीर्थयात्रियों का आगमन नगर को निरंतर पावन ऊर्जा से भर देता है। यही कारण है कि कैथल केवल मानचित्र पर एक शहर नहीं, बल्कि हरियाणा की आध्यात्मिक धड़कन है जहाँ हर शिलाखंड में इतिहास बोलता है और हर प्रार्थना में भक्ति की अनुगूँज सुनाई देती है। इस नगर के मंदिर और तीर्थ आज भी यह संदेश देते हैं कि संस्कृति तभी जीवित रहती है जब आस्था उसकी जड़ों में साँस लेती रहे।

**कैथल केवल मानचित्र पर एक शहर नहीं, बल्कि हरियाणा की आध्यात्मिक धड़कन है जहाँ हर शिलाखंड में इतिहास बोलता है और हर प्रार्थना में भक्ति की अनुगूँज सुनाई देती है। इस नगर के मंदिर और तीर्थ आज भी यह संदेश देते हैं कि संस्कृति तभी जीवित रहती है जब आस्था उसकी जड़ों में साँस लेती रहे।**

## खबर संक्षेप

### दुकान से तीस हजार की चोरी का आरोपी दबोचा

**सिरसा।** पुलिस ने चोरी करने के मामले में एक आरोपी शीशपाल पुत्र फौजीराम निवासी गांधी आश्रम के पीछे, रानियां गेट सिरसा को गिरफ्तार कर चोरीशुदा सामान बरामद किया है। सदर थाना प्रभारी संदीप कुमार ने बताया कि अमित कुमार पुत्र स्व. रमेश कुमार निवासी रानियां रोड गांधी कॉलोनी सिरसा ने चौकी सब्जी मंडी पुलिस को शिकायत दी कि उसकी दुकान प्रताप स्क्रेप स्टोर, रानिया रोड, गांधी कॉलोनी से अज्ञात व्यक्ति ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। शिकायतकर्ता के अनुसार दशहरा पर्व के अवसर पर दुकान बंद करने के बाद जब वह अगले दिन सुबह पहुंचा तो उसने देखा कि गल्ले का ताला टूटा हुआ था और लगभग 30 हजार रुपये की नकदी गायब थी।

### वाई. पूरण कुमार सुसाइड की हो निष्पक्ष जांच

**हिसार।** हरियाणा ओड सभा के प्रदेश सचिव राजकुमार गंगवानी ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मांग की है कि दिवंगत अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस वाई. पूरण कुमार मामले की जांच सीटिंग जज से करवाई जाए। उन्होंने कहा कि उक्त अधिकारी को आत्महत्या करने पर मजबूर करने तथा उनके द्वारा सुसाइड नोट में जिन लोगों के नाम दिए गए हैं जिसमें पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर, नरेंद्र बिजारणिया पुलिस अधीक्षक रोहतक व अन्य आरोपियों को तुंरत गिरफ्तार कर उन्हें नौकरी से बर्खास्त किया जाए।

### शिक्षकों ने कार्यशाला में सीखे तनाव प्रबंधन के गुर

**हिसार।** अर्बन इस्टेट स्थित विश्वास सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सीबीएसई इन हाउस प्रशिक्षण कार्य के अंतर्गत सभी शिक्षकों के लिए 'तनाव प्रबंधन' पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का संचालन सीबीएसई रिसोर्स पर्सन प्रवीन भाटिया ने किया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को शिक्षण के दौरान होने वाले तनाव को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के गुर सिखाना था।

### आपीएस मामले में आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग

**हिसार।** एसयूसीआई कम्युनिस्ट ने आईपीएस अधिकारी वाई. पूर्ण कुमार आत्महत्या मामले में निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए दोषी अधिकारियों को तुरंत गिरफ्तार करने व उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। पार्टी के राज्य सचिवमंडल सदस्य व हिसार जिला के सचिव मेहर सिंह बांगड़ ने कहा कि एक आईपीएस अधिकारी द्वारा अपने उच्च अधिकारियों की प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या करने के लिए मजबूर होना सरकारी प्रशासनिक तंत्र की कार्य प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

### पोलियो उन्मूलन अभियान सफल बनाना सभी का फर्ज

**हिसार।** किरतान गांव में पोलियो उन्मूलन अभियान के तहत मेरा युवा भारत हिसार एवं आजाद हिन्द युवा क्लब किरतान ने सहयोग किया। पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियोरोधी ड्राप्स पिलाई गई। इस मौके पर आजाद हिन्द युवा क्लब के प्रधान कपूर सिंह आर्य ने कहा कि गांव में पांच साल तक का कोई भी बच्चा पोलियोरोधी ड्राप्स लेने से छूट ना जाए। इस अभियान को सफल बनाने और देश को पोलियोमुक्त बनाने के लिए हर व्यक्ति को जागरूक होना होगा।

### 6.24 ग्राम हेरोइन सहित एक युवक गिरफ्तार

**हिसार।** पुलिस की नशा निरोधक टीम ने जिंदल पार्क के पास एक व्यक्ति को काबू कर 6.24 ग्राम हेरोइन बरामद की है। टीम प्रभारी उप निरीक्षक इंद्र सिंह ने बताया कि गश्त के दौरान मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने जिंदल पार्क के पास से एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका। पूछताछ में उसने अपना नाम सिवानी मंडी के वार्ड 6 निवासी योगेश बताया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक पॉलिथीन थैली में 6.24 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

## केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान में पारस्परिक सम्मेलन का आयोजन

# कपास का उत्पादन बढ़ाने, कीट एवं रोग प्रबंधन पर वैज्ञानिकों ने सांझा किए अनुभव

- नवीन तकनीकों एवं अनुसंधान कार्यों को किसानों तक शीघ्र पहुंचाना जरूरी : गोसल

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सिरसा। सम्मेलन में भाग लेते कृषि वैज्ञानिक। फोटो : हरिभूमि

केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान क्षेत्रीय स्टेशन सिरसा में रविवार को उत्तरी भारत में बदलते मौसम को मद्देनजर रखते हुए कपास की उत्पादकता बढ़ाने पर पारस्परिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उत्तरी भारत में कपास की खेती से जुड़ी चुनौतियों, कीट एवं रोग प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव तथा उत्पादकता बढ़ाने के उपायों पर वैज्ञानिकों, कृषि विशेषज्ञों और हितधारकों के बीच संवाद स्थापित करना था। कार्यक्रम में पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना के कुलपति डॉ. एसएस गोसल ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। मुख्य अतिथि डॉ. एसएस गोसल ने वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि कपास की उत्पादकता बढ़ाने के लिए नवीन तकनीकों एवं अनुसंधान कार्यों को किसानों तक शीघ्र पहुंचाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों, पोषक तत्व प्रबंधन तथा कीट-रोग नियंत्रण के उन्नत उपायों के प्रति किसानों को जागरूक करने पर बल दिया। सीआईसीआर सिरसा के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एसके वर्मा ने सभी अतिथियों, वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं हितधारकों का स्वागत किया। सीआईसीआर सिरसा प्रधान वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. ऋषि कुमार ने उत्तरी भारत में कपास की वर्तमान स्थिति, कीट एवं रोग प्रकोप, प्रमुख चुनौतिया, संभावित समाधान तथा भविष्य की अनुसंधान दिशा पर विस्तृत जानकारी दी। केन्द्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर के निदेशक डॉ. वीएन वाघमारे ने कपास क्षेत्रफल में गिरावट, उत्पादकता वृद्धि के उपायों तथा भारत सरकार के कपास उत्पादकता मिशन और कपास की खेती के मशीनीकरण से संबंधित पहलुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की।

### सावधानियों पर बल दिया

पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, बठिंडा के क्षेत्रीय अनुसंधान स्टेशन (आर.आर.एस.) के निदेशक डॉ. परमजीत सिंह ने उच्च उत्पादन देने वाली बी.टी. संकर एवं उपयुक्त किस्मों के चयन के बारे में मार्गदर्शन दिया और भविष्य में किस्म चयन के दौरान सावधानियों पर बल दिया। सम्मेलन में निदेशक-अनुसंधान डॉ. एएस ढट, डा. स्वामी केशवानंद, डॉ. विजय प्रकाश, डॉ. एम. एम. सुन्दरीया व डॉ. राजबीर गर्ग ने अपने-अपने विश्वविद्यालयों द्वारा कपास उत्पादन बढ़ाने के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों एवं अनुसंधान कार्यों की जानकारी साझा की। इस अवसर पर केन्द्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर एवं कोयम्बटूर से वैज्ञानिक डॉ. गणेश बहेरे, डॉ. तायडे, डॉ. आर. राजा, डॉ. वी. नगरारे एवं डॉ. दीपक नगराले सहित अनेक वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

सिरसा। अव्वल रहे बच्चों को सम्मानित करते ट्रस्ट के पदाधिकारी।

# समाज की तरक्की के लिए शिक्षित होना जरूरी: डॉ. मोहित

## विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट ने किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट सिरसा द्वारा रविवार को 25वां सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में अव्वल रहे बच्चों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर डा. मोहित सुथार ने कहा कि शिक्षा के बिना किसी भी समाज की तरक्की संभव नहीं है। शिक्षा ही वह साधन है, जो किसी भी समाज की दशा व दिशा तय करती है। सुथार ने कहा कि समाज के बहुत से ऐसे बच्चे हैं, जिनमें टेलेंट भरपूर है, लेकिन आर्थिक स्थिति उनकी सफलता में कहीं न कहीं आड़े आ जाती है। इसी समस्या को देखते हुए ट्रस्ट लगातार ऐसे बच्चों की मदद कर उन्हें आगे बढ़ाने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि समाज के बच्चों में टेलेंट की कोई कमी नहीं है।

### सफलता का कोई शॉर्ट कट नहीं

युवाओं में बढ़ रही नशे की प्रवृत्ति को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में डॉ. मोहित सुथार ने कहा कि समाज अगर शिक्षित होगा तो नशे की प्रवृत्ति से अपने आप दूर चला जाएगा। डॉ. श्रुति सुथार ने कहा कि समाज के उत्थान के लिए महिलाओं का शिक्षित होना जरूरी है। शिक्षित होने के साथ-साथ अपने पैरों पर खड़ा होना और परिवार व समाज को साथ लेकर चलना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सफलता का कोई शॉर्ट कट नहीं होता। पढ़ाई कभी खत्म नहीं होती। शिक्षा रूपी ज्ञान जितना मर्जी ग्रहण करो, वह आपका हर प्रकार से मार्गदर्शन करेगा। इसलिए सभी होनहार छात्राओं से निवेदन है कि वे अपनी मेहनत से हर वो मुकाम हासिल करें, जो उन्होंने मन में ठान रखा है।

# छात्रा हरमन को किया सम्मानित, नेशनल गेम्स में करेगी हरियाणा का प्रतिनिधित्व

- 1 हजार रूपए की नकद राशि छात्रा को भेंट की
- बालिकाओं को शिक्षा, खेल व संस्कृति के क्षेत्र में बेहतरीन अवसर व मंच प्रदान करना उद्देश्य : मनिंदर पाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ओढां

ओढ़ां। माता हरकी देवी शिक्षण संस्थान में छात्रा हरमन को सम्मानित करते। फोटो : हरिभूमि

माता हरकी देवी महिला महाविद्यालय ओढ़ा की बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा हरमन पुत्री गुरमीत सिंह ओडिशा में आयोजित होने वाले नेशनल जूनियर में स्टीपलचेस दौड़ में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करेगी।

छात्रा को नेशनल गेम्स के लिए भेजते समय माता हरकी देवी शिक्षण संस्थान ओढ़ा में सम्मानित किया गया और 11 हजार रूपए की नकद राशि छात्रा को भेंट की गई। माता हरकी देवी मैमोरियल शिक्षा समिति के अध्यक्ष मनिंदर पाल सिंह बराड़ ने कहा कि हरकी देवी शिक्षण संस्थान परिवार का मुख्य उद्देश्य इलाके की बालिकाओं को शिक्षा, खेल व संस्कृति के क्षेत्र में बेहतरीन अवसर व मंच प्रदान करना है। माता हरकी देवी शिक्षण संस्थान की प्रबंध निदेशिका डॉ कुलदीप कौर ने अपने संदेश में कहा कि माता हरकी देवी शिक्षण संस्थान ओढ़ा छात्राओं के कौशल को निखारने का कार्य कर रहा है, हरमन की इस उपलब्धि पर संस्था परिवार को गर्व है।

माता हरकी देवी मैमोरियल शिक्षा समिति के सचिव मंदर सिंह सरां ने हरमन को बधाई प्रेषित करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। सहायक निदेशक शशिकांत शर्मा, महिला महाविद्यालय प्राचार्य डॉ अभिलाषा शर्मा, बी एड प्राचार्य डॉ कृष्ण कांत ने हरमन व उसके अभिभावकों को बधाई दी।

# भारतीय स्वर्णकार परिवार ने मनाई महाराजा अजमीढ़ की जयंती

- महाराजा अजमीढ़ देव धर्म-कर्म में रखते थे विश्वास तथा आभूषण बनाने का था शौक

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सिरसा। अतिथियों को सम्मानित करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

महाराजा अजमीढ़ की जयंती पर स्थानीय नोहर रोड स्थित गोपालराम सोनी धर्मशाला में भारतीय स्वर्णकार परिवार एवं स्वर्णकार संघ ऐलनाबाद की ओर से समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रविन्द्र कुमार वर्मा ने कहा कि महाराजा अजमीढ़ देव जी धर्म-कर्म में विश्वास रखते थे और उन्हें खिलौने तथा आभूषण बनाने का बेहद शौक था। अपने इसी शौक के चलते वे अनेक प्रकार के खिलौने, बर्तन और आभूषण बनाकर उन्हें अपने प्रियजनों को भेंट किया करते थे। उनके इसी शौक को उनके वंशजों ने आगे बढ़ाकर व्यवसाय के रूप में अपना लिया। तभी से वे स्वर्णकार के रूप में जाने गए और आज तक आभूषण बनाने का यह व्यवसाय उनके वंशजों द्वारा जारी है। कार्यक्रम में रामा देवी धर्मपत्नी स्व. प्रताप कुकरा व जयदीप धुन्ना को समाजसेवी कार्यों के लिए तथा चंद्रप्रकाश सोनी को मार्केट कमेटी ऐलनाबाद का उपाध्यक्ष बनने पर स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। संस्था के संस्थापक जगजीवनराम सोनी ने बताया कि जल्द ही एक राष्ट्रीय सम्मेलन भी आयोजित किया जायेगा। इस अवसर पर अशोक कंडा, जगदीश सिंह खुरमी, लाली खुरमी, जगसीर सिंह कंडा, लालचंद भामा, मदन डावर, राजबाला सोनी, सुशीला सोनी, सरोज सोनी, गीता सोनी, भीम जांगलवा, सोहनलाल सोनी, रतन लाल झींगा, शिवकुमार आदमपुरिया, रतन लाल रूंडवाल, कुलदीप भामा प्रदीप धुन्ना व निखिल शिंह सहित अन्य भी उपस्थित थे।

# लॉटरी या एसएमएस पुरस्कारों से सावधान

- पुलिस अधीक्षक ने साइबर ठगों से सचेत रहने का किया आह्वान

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने आम जनता को साइबर ठगों से सचेत रहने का आह्वान किया है। उनका कहना है कि हाल के दिनों में साइबर ठगों द्वारा लोगों को लॉटरी जीतने, मोबाइल कंपनी या बैंक द्वारा इनाम मिलने, या सरकारी योजना में चयन होने का झांसा देकर ठगी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं लेकिन ये शत-प्रतिशत ठगी के तरीके होते हैं। पुलिस अधीक्षक शशांक सावन ने कहा कि ठग आमतौर पर मोबाइल कॉल, एसएमएस, ईमेल या सोशल मीडिया संदेशों के माध्यम से लोगों को यह विश्वास दिलाते हैं कि उन्होंने बड़ी राशि या महंगी कार जीती है। इसके लिए रजिस्ट्रेशन फीस, टैक्स या प्रोसेसिंग चार्ज के रूप में कुछ रुपये जमा करवाने होते हैं। जैसे ही व्यक्ति पैसा भेजता है, ठग उसके बाद मोबाइल नंबर बंद कर देते हैं या संपर्क से गायब हो जाते हैं।

### नागरिकों से अपील

*पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों से अपील की कि किसी भी अज्ञात नंबर से आए कॉल या संदेश पर विश्वास न करें। रजिस्ट्रेशन फीस, टैक्स या प्रोसेसिंग चार्ज के नाम पर कोई भी राशि ट्रांसफर न करें। ऐसे किसी भी कॉल या मैसेज की तुरंत सूचना साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 या **www.cybercrime.gov.in** पर दें। संबंधित थाना या हिसार साइबर पुलिस थाने से संपर्क कर जानकारी साझा करें ताकि ठगों के विरुद्ध शीघ्र कार्रवाई की जा सके। नागरिक सतर्क रहें, सुरक्षित रहें, और दूसरों को भी इन साइबर अपराधों से बचने के लिए जागरूक करें।*

# माईयड़ में भाईचारा सम्मेलन का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। माइयड़ में आयोजित भाईचारा सम्मेलन में मौजूद विभिन्न स्थानों से पहुंचे लोग।

नजदीकी गांव माईयड़ में कौहाड़, नागल, जाटान गौत्र का पहला भाइचारा सम्मेलन रविवार को आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में विभिन्न गांवों से सैकड़ों मौजिज व्यक्ति पहुंचे। किसान नेता जोगिंदर मायड़ ने बताया कि हमारे ये तीनों गोत्र एक ही गोत्र में आते हैं और तकरीबन 70 गांव में हमारा भाईचारा मिला। उन्होंने बताया कि इसकी शुरुआत राजली के युवा साथी प्रदीप कोहाड़ और सिसाए के एक युवा साथी विजय कोहाड़ ने मिलकर जनवरी में की और एक ग्रुप बनाया और वह भाईचारे को जोड़ते चले गए। आज तक बिखरा पड़े भाईचारे के लोग आज पहली बार सैकड़ों की संख्या में तीनों गोत्र का भाईचारा मैयड़ पहुंचा। मैयड़ गांव के सारे भाईचारे ने मिलकर बाहर से आए भाइयों की मेजबानी की।

### ये रहे मौजूद

इस मौके पर किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़, प्रियंका कोहाड, विकास सरपंच माइयड़, सत्यवान कौहाड़, कुलदीप भकलाना, चेयरमैन बीडीसी, बबल प्रधान बड़वासनी, मास्टर महेंद्र सिंह, रणबीर नागल एमडी, विजेंद्र राजपुरा, हवासिंह जटान सुरपुरा आदि मौजूद रहे।

### बुराइयां दूर करने के दिए सुझाव

सम्मेलन में सामाजिक बुराइयों को दूर करने के लिए सुझाव दिए गए। गणमान्य व्यक्तियों ने अपने विचार रखते हुए कहा कि सबसे पहला कदम अपने बच्चों को शिक्षित करना है क्योंकि आने वाली पीढ़ी अगर अच्छी मजबूत शिक्षा लेगी तो इस देश में जो पाखंड है उस पाखंडवाद का विरोध करेगी। देश में पाखंडी बाबाओं ने जो आतंक मचा रखा है और जो युवा पीढ़ी के ऊपर कंट्रोल कर रहे हैं उनका विरोध किया जाएगा।

# नियमों की अनदेखी पर यातायात पुलिस सख्त

- 6 से 11 अक्तूबर तक चलाए गए इस अभियान के दौरान 94 वाहन चालकों के खिलाफ केस दर्ज किया

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

यातायात डबवाली पुलिस ने यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले लोगों के खिलाफ रविवार को अभियान चलाकर बुलेट पटाखा, ध्वनि प्रदूषण, ब्लैक फिल्म, ट्रिपल राइडिंग, लाइन चेंज व ड्रंक एंड ड्राइव के तहत वाहन चालकों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की। साथ ही आमजन को यातायात नियमों का पालन करने बारे भी जागरूक किया गया।

यातायात डबवाली पुलिस ने बीती 6 से 11 अक्तूबर तक चलाए गए इस अभियान के दौरान मुख्य रूप से शराब पीकर ड्राइविंग के 4, ट्रिपल राइडिंग के 36, बुलेट पटाखा के 1, ओवर स्पीड के 113, ब्लैक फिल्म के 3, बिना नंबर प्लेट के 27, बिना हाईसिक्योरिटी नंबर प्लेट के 191 व लाइन चेंज के तहत 94 वाहन चालकों के खिलाफ कार्यवाही की। पुलिस ने रविवार को भी यह कार्रवाई जारी रखी। डबवाली यातायात पुलिस प्रभारी उप निरीक्षक राजकुमार ने बताया कि जो लोग वाहन चलाते समय यातायात नियमों के प्रति लापरवाही बरतते हैं और खुद सहित दूसरों के जीवन को खतरे में डालते हैं उनके खिलाफ कड़ा एक्शन लिया जा रहा है। पुलिस का उद्देश्य चालान काटने का नहीं बल्कि आमजन की जिंदगी बचाना है। उन्होंने कहा कि सडक़ों पर होने वाली दुर्घटनाओं में होने वाले जानमाल के नुकसान को कम करने के लिए पुलिस कटिबद्ध है।

**स्वच्छता अभियान** दीवारों की पुताई, पौधरोपण और अभिलेख कक्ष को किया व्यवस्थित

# फतेहाबाद पुलिस कर्मचारियों ने रविवार को थानों, चौकियों में चलाया स्वच्छता अभियान

- यह अभियान सफाई के साथ कार्यस्थल के प्रति गर्व और अनुशासन की भावना को भी कर रहा मजबूत

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद। थानों में सफाई अभियान में जुटे पुलिस कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

फतेहाबाद पुलिस अब केवल अपराध नियंत्रण तक सीमित नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव और अनुशासित पुलिस व्यवस्था की दिशा में भी सक्रिय भूमिका निभा रही है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के मार्गदर्शन में प्रत्येक रविवार को चलाया जा रहा स्वच्छ थाना-चौकी अभियान अब जिले की पुलिस संस्कृति का प्रेरणादायक हिस्सा बन चुका है। आज सुबह भी थानों, चौकियों में कर्मचारी हाथों में झाड़ू थामे सफाई करते नजर आए।

हर रविवार सुबह थानों और चौकियों का दृश्य अब बदला-बदला नजर आता है। पुलिसकर्मी स्वयं झाड़ू उठाकर परिसर की सफाई करते हैं, दीवारों की पुताई, पौधरोपण और अभिलेख कक्ष को व्यवस्थित करते हैं। यह अभियान केवल सफाई तक सीमित नहीं, बल्कि कार्यस्थल के प्रति गर्व और अनुशासन की भावना को भी मजबूत कर रहा है। एसपी जैन का कहना है कि स्वच्छ वातावरण पुलिसकर्मियों के मनोबल को बढ़ाता है और नागरिकों के मन में विश्वास उत्पन्न करता है।

स्वच्छ थाना सशक्त और संवेदनशील पुलिस व्यवस्था का प्रतीक है। इस अभियान में किसी पद या रैंक का भेद नहीं। अधिकारी से लेकर सिपाही तक सभी एकजुट होकर सफाई, सजावट और सुधार कार्यों में जुटते हैं। इससे टीम भावना, अनुशासन और पारस्परिक सहयोग को नई दिशा मिली है। अब जिले के अधिकांश थानों में स्वच्छ पेयजल, साफ-सुथरे शौचालय और बैठने की समुचित व्यवस्था उपलब्ध है।

शिकायत दर्ज करवाने आने वाले नागरिकों को अब एक सम्मानजनक, व्यवस्थित और सहयोगपूर्ण वातावरण का अनुभव हो रहा है। एसपी ने कहा कि स्वच्छता केवल एक आदत नहीं, यह सेवा और जिम्मेदारी की पहचान है। आइए, हम सब मिलकर अपने थानों को स्वच्छ, प्रेरणादायी और अनुशासन का उदाहरण बनाएं।

## खबर संक्षेप

### डॉ. नेहरा युवा कल्याण निदेशक नियुक्त

**सिरसा।** चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मंजू नेहरा को निदेशक, युवा कल्याण का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा है। कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार ने अधिसूचना जारी की है। डॉ. नेहरा वर्ष 2007 से चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा में कार्यरत हैं और वर्तमान में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर सेवारत हैं। उन्होंने वर्ष 2016 में गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी से पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की तथा वर्ष 2004 में नेट परीक्षा उत्तीर्ण की। उनका शोध क्षेत्र फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, न्यूट्रास्यूटिकल्स और फंक्शनल फूड्स के विकास एवं विश्लेषण से संबंधित है।

### भाजपा राज में दलितों पर अत्याचार बढ़े : अटवाल

**फतेहाबाद।** दलितों पर अत्याचार जैसे कि सीजेआई पर जूता फेंकने की कोशिश, हरियाणा में एडीजीपी वाई पूरन कुमार को जातीय भेदभाव पूर्ण प्रताडऩा सहने के चलते आत्महत्या के लिए मजबूर किया जाना, रायबरेली में दलित व्यक्ति की पीट-पीट कर हत्या के खिलाफ हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ ने फतेहाबाद में रोष प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम एसडीएम को ज्ञापन दिया गया। प्रदर्शन का नेतृत्व हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव एवं मीडिया प्रभारी एडवोकेट जनक अटवाल ने किया।

### दोषी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करे सरकार

**सिरसा।** कालांवाली के विधायक शीशपाल केहरवाला ने आईपीएस अधिकारी वाई. पूरण कुमार के आत्महत्या मामले में आरोपी सभी अधिकारियों की निष्पक्ष जांच की मांग की है। शीशपाल केहरवाला ने रविवार को जारी बयान में कहा कि हरियाणा में वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी को मरने पर मजबूर करने के जिन अधिकारियों पर गंभीर आरोप हैं, राज्य सरकार उनके खिलाफ कोई भी कड़ा कदम उठाने से बच रही है जिससे प्रदेश में यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि राज्य की भाजपा सरकार अपराध व अपराधियों के प्रति कितनी कठोर है।

## परिवार का पोस्टमार्टम करवाने से इनकार

# लापता सतवीर का शव बरामद परिजनों का हत्या का आरोप

**पुलिस ने दो सुसाइड नोट बरामद किए, संदिग्धों की गिरफ्तार पर अड़े**

**सिरसा।** निकटवर्ती गांव नेजाडेला कलां से लापता सतवीर प्रजापति का शव सालमखेड़ा के पास नहर की पटरी पर संदिग्ध हालात में मिला है। घटना की जानकारी मिलते ही सदर थाना पुलिस व मृतक के परिजन मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल पहुंचाया। परिजनों का आरोप है कि सतवीर ने आत्महत्या नहीं बल्कि उसकी हत्या की गई है। परिजनों के विरोध के चलते रविवार को शव का पोस्टमार्ट नहीं हो पाया।

हालांकि पुलिस प्रशासन देर शाम तक परिजनों को समझाने में जुटा रहा, लेकिन परिजन राजी नहीं हुए और नागरिक अस्पताल में धरने पर बैठ गए। बताया जा रहा है कि पुलिस ने दो सुसाइड नोट भी बरामद किए हैं, जिनमें दो महिलाओं व एक युवक का जिक्र किया गया है।

**सिरसा।** नागरिक अस्पताल में धरने पर बैठे मृतक के परिजन व अन्य लोग। *फोटो : हरिभूमि*

### ये है मामला

जानकारी के अनुसार सतवीर सिरसा कोर्ट परिसर में टाइपिस्ट का कार्य करता था। करवाचौथ की रात करीब साढ़े आठ बजे वह बिना बताए मोटरसाइकिल लेकर घर से निकला और वापस नहीं लौटा। मृतक के भाई कृष्ण लाल ने बताया कि रात करीब साढ़े नौ बजे सतवीर ने फोन कर अपनी जान को खतरा होने की बात कही और बचाने की गुहार लगाई। इसके बाद उसका फोन बंद हो गया। परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट पुलिस में दर्ज करवाई थी। शनिवार रात सतवीर का शव नहर की पटरी से मिला। कुछ दूरी पर उसकी मोटरसाइकिल खड़ी थी। परिजनों कहा कहना है कि सतवीर के कपड़े और चप्पल सही हालत में थे, जिससे जहरीला पदार्थ खाने या आत्महत्या का मामला संदिग्ध लगता है। साथ ही उसके दो मोबाइल फोन भी गायब है।

## पीएम ने किसानों को समर्पित की 42000 करोड़ से अधिक की योजनाएं : यतिंद्र सिंह

**सिरसा।** भारतीय जनता पार्टी के सिरसा जिलाध्यक्ष एडवोकेट यतिंद्र सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के किसानों को समर्पित की गई 42000 करोड़ से अधिक की दो प्रमुख योजनाओं प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन को किसानों के लिए एक अभूतपूर्व सौगात बताया है। भाजपा जिलाध्यक्ष ने रविवार को जारी प्रैस बयान में कहा कि प्रधानमंत्री का यह कदम विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने की दिशा में आत्मनिर्भरता की ओर उठाया गया एक सशक्त कदम है।

### किसान भारत की आत्मा

प्रधानमंत्री के वक्तव्य को उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा कि किसान भारत की आत्मा हैं। जब किसान सशक्त होगा, तो देश सशक्त होगा। आज जिन योजनाओं की शुरुआत हुई है, वे सिर्फ सरकारी योजनाएं नहीं, बल्कि भारत के भविष्य की योजनाएं हैं। जिलाध्यक्ष ने जोर दिया कि चूंकि सिरसा एक कृषि प्रधान जिला है, इसलिए 24000 करोड़ की लागत वाली प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना से यहां के किसानों को विशेष लाभ मिलेगा। इस योजना के तहत कृषि उत्पादकता बढ़ाने, सिंचाई सुविधाओं में सुधार करने, फसलों में विविधता लाने और किसानों को सस्ते व सुलभ ऋण उपलब्ध कराने पर सीधा ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जो सिरसा की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था के लिए एक संजीवनी का काम करेगा।

### राज्य स्तरीय प्रतिनिधि सम्मेलन 26 को टोहाना में

**फतेहाबाद।** व्यापार मंडल का राज्य स्तरीय प्रतिनिधि सम्मेलन इस बार टोहाना में आयोजित किया जाएगा। व्यापार मंडल के प्रधान राजेंद्र ठकराल, युवा प्रधान जोनी मेहता, प्रदेश सचिव राम कुमार सैनी, संरक्षक रमेश गोयल, कार्यकारी अध्यक्ष ओकार गर्ग व प्रदेश प्रवक्ता पवन वधवा ने कहा कि नगर परिषद के एक अधिकारी की ज्यादतियों के खिलाफ हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में 26 अक्टूबर को राज्य स्तरीय प्रतिनिधि सम्मेलन टोहाना में रखा गया है। सम्मेलन में सुबह 5 बजे दुकानों में तोड़-फोड़ करके व्यापारियों का भारी नुकसान करने व उस सरकारी अधिकारी पर कानूनी कार्रवाई ना करने व आगे की व्यापार मंडल की राज्य स्तरीय आंदोलन की रूप रेखा तैयार करने पर विचार किया जाएगा।

# सिरसा में मृगांका कलेक्शन लॉन्च एवं ब्राइडल एलेगेंस इवेंट आयोजित

**सिरसा।** कार्यक्रम में उपस्थित अतिथिगण। *फोटो : हरिभूमि*

### तनिष्क सिरसा में फैशन और एलेगेंस का शानदार संगम

**सिरसा।** तनिष्क द्वारा आयोजित "मृगांका कलेक्शन लॉन्च एवं ब्राइडल एलेगेंस इवेंट" ने शहर में आकर्षण और उत्साह का नया रंग भर दिया। यह आयोजन सिरसा की फैशन प्रेमी महिलाओं के लिए एक यादगार अनुभव साबित हुआ, जिसमें ग्लैमर, एलीगेंस और परंपरा का अनोखा मेल देखने को मिला। इस खास अवसर पर मुंबई से आईं जानी-मानी फैशन स्टाइलिस्ट बंडिता पात्रो ने अपनी उपस्थिति से आयोजन की शोभा बढ़ाई। उन्होंने ब्राइडल स्टाइलिंग और लेटेस्ट फैशन ट्रेंड्स पर एक शानदार सत्र प्रस्तुत किया, जिसने सभी को प्रभावित किया। उनके विचारों ने यह दर्शाया कि आज की आधुनिक दुल्हन आत्मविश्वास, शालीनता और परंपरा—तीनों का सुंदर मेल अपने रूप में चाहती है, और मृगांका कलेक्शन इसी सोच को साकार करता है। कार्यक्रम के दौरान स्टोर को आकर्षक सजावट, मनमोहक रोशनी और सौम्य संगीत से सजाया गया था। मेहमानों ने नई ज्वेलरी कलेक्शन को नजदीक से देखा, डिजाइनर्स से बातचीत की और विभिन्न ब्राइडल सेट्स को ट्राय किया। पूरे माहौल में उत्साह और उत्सव का अद्भुत समावेश देखने को मिला।

# जीएसटी सुधारों से भ्रष्टाचार कम हुआ

- आत्म निर्भर भारत एवं जीएसटी रिफोर्म विषय पर भाजपा द्वारा सम्मेलन का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

भाजपा द्वारा 'आत्म निर्भर भारत एवं नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफॉर्म' विषय पर टोहाना विधानसभा का सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भिवानी के पूर्व जिलाध्यक्ष शंकर धोपड़ ने शिरकत की वहीं अध्यक्षता पूर्व कैबिनेट मंत्री देवेन्द्र सिंह बबली ने की। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के विधानसभा संयोजक के रूप में भाजपा के जिला महामंत्री विकास ललौदा ने आए हुए नेताओं व कार्यकर्ताओं का स्वागत किया।

मुख्य वक्ता शंकर धोपड़ ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को आत्मनिर्भर भारत के रूप में आगे बढ़ाने का जो संकल्प लिया है, वह आज एक जन आंदोलन बन चुका है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का अर्थ केवल आर्थिक स्वावलंबन नहीं, बल्कि हर व्यक्ति, हर गांव, हर उद्योग को सशक्त बनाना है। केंद्र सरकार ने कोरोना काल से लेकर आज तक ऐसे अनेक कदम उठाए हैं, जिनसे स्थानीय उद्योग, किसान और युवा मजबूत हुए हैं। 'मेक इन इंडिया', 'स्टार्टअप इंडिया' और 'डिजिटल इंडिया' जैसे अभियान ने नई दिशा दी है।

**फतेहाबाद।** सम्मेलन में मुख्य वक्ता का स्वागत करते पूर्व मंत्री देवेन्द्र बबली व जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा। *फोटो : हरिभूमि*

### ट्रैक्स व्यवस्था को सरल किया

उन्होंने कहा कि भारत अब वैश्विक स्तर पर उत्पादन का केंद्र बन रहा है। जीएसटी सुधारों से व्यापार में पारदर्शिता आई है और भ्रष्टाचार में कमी आई है। आज कारोबारी बिना भय के अपना व्यापार कर रहे हैं। पूर्व कैबिनेट मंत्री देवेन्द्र सिंह बबली ने जीएसटी में किए गए सुधारों ने देश की टैक्स व्यवस्था को सरल, पारदर्शी और एकरूप बनाया है। पहले अलग-अलग राज्यों में अलग टैक्स होने से व्यापारी परेशान रहते थे, परंतु अब 'वन नेशन, वन टैक्स' की व्यवस्था से सबको सुविधा हुई है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने व्यापारिक वर्ग की हर समस्या को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि आने वाला दशक भारत के आर्थिक नेतृत्व का दशक होगा और यह सब प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन से संभव हो रहा है।

### आधुनिक रूप दिया

जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा ने कहा कि जीएसटी सुधारों ने व्यापार को आधुनिक स्वरूप दिया है। अब डिजिटल बिलिंग, ऑनलाइन टैक्सेशन और ऑडिट सिस्टम से पारदर्शिता बढ़ी है। आज भारत विश्व में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है। मोदी सरकार के नेतृत्व में देश नए भारत की ओर बढ़ रहा है, जो आत्मविश्वास और स्वाभिमान से भरा है। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष संजय रेवड़ी, ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष बलदेव सैनी, धारसूल मार्किट कमेटी चेयरमैन राममेहर धारसूल, जाखल मंडी चेयरमैन अवतार सिंह तलवाड़ा, मीडिया प्रभारी कंवल चौधरी, जिला प्रवक्ता अनूप भारद्वाज, रमन मडिया, प्रवीण गिल, विनोद खीचड़, सुभाष गर्ग, तिलकराज भाटिया, रामदेव भारद्वाज, नवदिल गिल, अनीता मेहता, निताशा तेजपाल सिंह, विक्रम गर्ग व अन्य मौजूद रहे।

# एडीजीपी के निधन पर शोक जताया

- इनेलो नेता बोले, पार्टी पीड़ित परिवार के साथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

इंडियन नेशनल लोकदल की महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश प्रभारी सुनैना चौटाला ने आईपीएस, आईजीपी वाई पूरन कुमार की अकस्मात मृत्यु पर गहरा दुख एवं अफसोस प्रकट करते हुए कहा कि पूरा इनेलो पार्टी परिवार भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और इस दुख की घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं।

सुनैना चौटाला ने कहा कि प्रदेश में अभय सिंह चौटाला की बढ़ती लोकप्रियता और लोगों द्वारा दिए जा रहे अथाह प्यार और सम्मान से कांग्रेस के नेता बौखलाए हुए हैं।

अभय चौटाला व सुनैना चौटाला।

खासकर रोहतक में चौधरी देवीलाल के सम्मान दिवस पर हुई रैली की अपार सफलता के बाद प्रदेश के लोगों ने जो प्यार और प्रेम अभय सिंह चौटाला को दिया है, उससे कांग्रेस के नेताओं की रात की नींद और दिन का चैन छिन गया है। इससे बौखलाए कांग्रेस नेताओं द्वारा अभय सिंह चौटाला को बदनाम करने के लिए एक नकली डॉक्टर्ड वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल की जा रही है। हम इस वीडियो को सिरे से नकारते हैं।

### पार्टी हमेशा कमरे व गरीब लोगों के साथ

सुनैना चौटाला ने कहा कि इनेलो पार्टी तो हमेशा से ही किसान, कमेरे और दलितों की पार्टी रही है। चौधरी देवीलाल ने दलितों की भलाई के लिए गांव गांव में चौपालें बनवाई थी, जच्चा बच्चा योजना शुरू की थी, दलित परिवार में बेटी की शादी के लिए कन्यादान योजना शुरू की थी। उनके बाद चौधरी ओमप्रकाश चौटाला ने दलितों को सत्ता में भागीदारी दी और कई अहम पदों पर नियुक्तियां की। कांग्रेस द्वारा करवाए गए गोहाना कांड और मिर्चपुर कांड दलितों के साथ अत्याचार की कहानी बयां करते हैं।

# सतवीर सिंह भूना राइस मिल कार्यकारिणी के प्रधान चुने गए

**भूना।** बैठक में भाग लेते राइस मिलर्स। *फोटो : हरिभूमि*

**भूना।** राइस मिल एसोसिएशन भूना की बैठक मिलर्स भवन में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता कार्यवाहक प्रधान अशोक बंसल ने की। बैठक में क्षेत्र के दर्जनों राइस मिल मालिकों ने भाग लिया और अपने-अपने विचार रखते हुए एसोसिएशन की गतिविधियों पर चर्चा की। इस दौरान सर्वसम्मति से वर्ष 2025-26 के लिए एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से सतबीर सिंह बुगालिया को एसोसिएशन का प्रधान चुना गया। वहीं सचिव पद की जिम्मेदारी अमित मेहता को सौंपी गई, जबकि पवन कुमार सिंगला को कोषाध्यक्ष और वीरेंद्र जैन को उप प्रधान बनाया गया। बैठक में राइस मिलर्स ने उद्योग से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की। मिलर्स का कहना था कि सरकार और संबंधित विभागों द्वारा कुछ नीतियाँ और निरीक्षण प्रक्रियाएँ ऐसी हैं, जो मिल उद्योग के संचालन में बाधा उत्पन्न कर रही हैं। उन्होंने बताया कि मिलों में बिजली आपूर्ति, परिवहन व्यवस्था, धान की खरीद प्रक्रिया और एफसीआई की शर्तों को लेकर कई तरह की जटिलताएं हैं, जिनके समाधान के लिए लगातार प्रयास किया जाएगा।

# भूमि विवाद में हत्या का आरोपी काबू

- पिरथला में हत्या के मामले में पुलिस ने सह आरोपी प्रमोद कुमार को गिरफ्तार किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

गांव पिरथला में जमीनी विवाद के चलते एक व्यक्ति की हत्या करने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना सदर टोहाना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रमोद कुमार पुत्र पृथ्वी सिंह निवासी पिरथला के रूप में हुई है। थाना सदर टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक शादी राम ने बताया कि यह मामला 26 जून 2024 को गांव पिरथला में जमीनी विवाद को लेकर हुए झगड़े से संबंधित है, जिसमें औमप्रकाश पुत्र सोहन लाल निवासी सिरसा की गंभीर चोटों के कारण मृत्यु हो गई थी। घटना के दौरान शिकायतकर्ता विकास पुत्र औमप्रकाश, उनकी माता रोशनी देवी, सुनील और बलवन्त समेत अन्य पर आरोपियों ने लाठियों, डंडों और लोहे की रॉड से हमला किया था। घटना में चार लोग घायल हुए थे जिन्हें सरकारी अस्पताल टोहाना से एमएएमसी अग्रोहा रेफर किया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि जमीनी विवाद को लेकर आरोपियों ने हमला किया, जिसमें औमप्रकाश की मौत हो गई। इस संबंध में थाना सदर टोहाना में 26 जून 2024 को धारा 148, 149, 323, 506, 302, 427 भारतीय दंड संहिता के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। अब पुलिस ने जांच के दौरान सह आरोपी प्रमोद कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया है।

**फतेहाबाद।** हत्या मामले में गिरफ्तार आरोपी।

### फर्जी तरीके से एनडीसी जारी करने के मामले में चार हिरासत में

**सिरसा।** सिरसा में फर्जी तरीके से एनडीसी जारी कर प्लॉट बिक्री के धंधे का पर्दाफाश हुआ है। उपायुक्त की पहल पर कार्रवाई करते हुए सदर सिरसा पुलिस ने इस धंधे में शामिल नगर परिषद के एक क्लर्क, दो प्रोपर्टी डीलर सहित चार लोगों को हिरासत में लिया है। आरोपियों को अदालत में पेश करके रिमांड पर लिया जाएगा ताकि इस धंधे में शामिल अन्य लोगों को गिरफ्तार किया जा सके। जानकारी अनुसार सिरसा के कंगनपुर रोड पर एक व्यक्ति द्वारा प्लॉट बिक्री के दौरान गलत तरीके से एनडीसी जारी की गई थी। जांच में सामने आया कि नगर परिषद के एक क्लक और कुछ प्रॉपर्टी डीलर इस फर्जीवाड़े में शामिल हैं। उपायुक्त के आदेशानुसार गठित जांच कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में एनडीसी जारी करने की प्रक्रिया को नियम-विरुद्ध बताया। सदर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

## ड्रग पीड़ितों की पहचान कर काउंसलिंग करवाई

# बाड़ा, कमाना और रोजावाली में पुलिस ने जागरूक किया

**एसआई सुंदर ने बताया कि पुलिस द्वारा हर गांव व मोहल्ले तक नशा मुक्त समाज बनाने का लक्ष्य लेकर यह मुहिम चलाई जा रही**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के मार्गदर्शन में जिला पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ निरंतर चलाए जा रहे जागरूकता व नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत रविवार को एसआई सुंदर के नेतृत्व में नशा मुक्ति टीम ने गांव बाड़ा, कमाना तथा रोजावाली में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस दौरान टीम ने आमजन को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत करवाते हुए नशा छोडऩे की प्रेरणा दी। एसआई सुंदर ने बताया कि जिला पुलिस द्वारा हर गांव व मोहल्ले तक नशा मुक्त समाज बनाने का लक्ष्य लेकर यह मुहिम चलाई जा रही है। इसी क्रम में टीम ने गांव बाड़ा में घर-घर जाकर लोगों से संवाद किया तथा नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से युवाओं को नशे से दूरी बनाए रखने की शपथ दिलाई। वहीं टीम ने बाड़ा गांव में 05 ड्रग पीड़ितों की पहचान कर उनके डोजियर तैयार किए। इसके पश्चात कमाना गांव में पहुंचे नशा मुक्ति कर्मियों ने 04 ड्रग पीड़ितों की पहचान की और उन्हें नशा छोडऩे के लिए प्रेरित किया। इस प्रकार टीम द्वारा कुल 9 ड्रग पीड़ितों को चिन्हित किया गया।

**फतेहाबाद।** ग्रामीणों को नशे के खिलाफ जागरूक करते एसआई सुंदर। *फोटो : हरिभूमि*

### ड्रग फ्री समाज बनाएंगे

एसआई सुंदर ने बताया कि सभी पीड़ितों की काउंसलिंग की गई, जिसमें उन्हें नशे से होने वाले मानसिक, सामाजिक और शारीरिक नुकसान के बारे में विस्तार से बताया गया। काउंसलिंग के बाद प्रत्येक पीड़ित को आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक औषधि दी गई ताकि वे नशे से उबरने की प्रक्रिया में चिकित्सा सहायता प्राप्त कर सकें। नशा मुक्ति टीम ने उन्हें निरंतर सहयोग और परामर्श का आश्वासन भी दिया। इसके अतिरिक्त, गांव रोजावाली में नशा मुक्ति टीम ने एक नुक्कड़ सभा आयोजित की, जिसमें स्थानीय निवासियों, महिलाओं और युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक किया गया। सभा के दौरान लोगों को बताया गया कि किस प्रकार नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए विनाशकारी है। उपस्थित ग्रामीणों ने पुलिस की इस पहल का स्वागत करते हुए नशे के खिलाफ एकजुट होकर लडऩे का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि फतेहाबाद पुलिस का नशे के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा। जिला पुलिस का स्पष्ट संदेश है कि नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति चलेगी।

### जातिगत उत्पीड़न के कारण अधिकारी को जान देने पड़ी : जगतार

**फतेहाबाद।** भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी ने प्रदेश के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार की दर्दनाक मृत्यु पर गहरा शोक प्रकट करते हुए परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की हैं। पार्टी ने इसे आत्महत्या की बजाय संस्थागत हत्या करार दिया है जिसके लिए संस्थानों व समाज में निरंतर जारी जातिगत भेदभाव व उत्पीडऩ जिम्मेदार है। माकपा जिला सचिव जगतार सिंह ने मांग की है कि आईपीएस अधिकारी पूरन कुमार की मृत्यु के हालात की त्वरित निष्पक्ष जांच करके सभी दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए तथा उनके परिवार को समुचित सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए। माकपा नेता ने कहा कि अधिकारी द्वारा लिखे गए अंतिम नोट में हालात और घटनाक्रम का जो विवरण सामने आया है वह स्तब्ध करने वाला है तथा जातिगत पूर्वाग्रह में निहित उत्पीडऩ, अपमान और भेदभाव के एक पैटर्न की ओर इशारा करता है।